Women in Mathematics

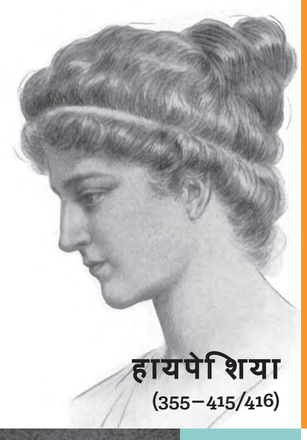

हायपेशिया
(355–415/416)

जाना गया: गणित के विकास में बहुमूल्य योगदान करने वाली पहली महिला के रूप में।

एमिली दु शाटेले
(1706–1749)

जाना गया: आएसेक न्यूटन के "प्रिंसिपीआ" किताब के भाषांतर और उसपर समीक्षा के लिए। उनका भाषांतर और समीक्षा आज भी फ्रेंच भाषा में सर्वस्वीकृत भाषांतर माना जाता है।

मरिया अग्नेसी
(1718–1799)

जाना गया: गणित पुस्तिका लिखने वाली पहली महिला होने के लिए। वह विश्वविद्यालय में नियुक्त होने वाली पहली महिला गणित प्रध्यापिका थी।

मैरी-सोफी जर्मेन
(1776–1831)

जाना गया: एक पुरुष छद्मनाम के तहत लग्रांज, लेजेंड्रे और गॉस के साथ उनके पत्राचार द्वारा। वह फ्रेंच एकेडमी ऑफ साइंसेज (लचिलता) सिद्धांत के अध्ययन में से एक थीं, और साथ ही उन्होंने फ़र्मट के अंतिम प्रमेय (थीअरम) पर मूलभूत कार्य किया।

मेरी समर्विल (विवाहपूर्व - फेरफैक्स)
(1780–1872)

जाना गया: एक बहुश्रुत (पॉलीमैथ) होने के लिए, जिन्होंने गणित और खगोल विज्ञान का अध्ययन किया। वह उन दो महिलाओं में से एक थीं जिन्हें रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी की पहले महिला मानद सदस्य के रूप में चुना गया था। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के समर्विल कॉलेज का नाम उनके सम्मान में रखा गया है।

एडा लवलेस
(1815–1852)

जाना गया: चार्ल्स बैबेज के साथ उनके प्रस्तावित विश्लेषणात्मक (अनालिटिक) इंजन पर काम करने के लिए। उन्होंने पाया कि वह मशीन का उपयोग गणनाओं से अधिक कुछ के लिए किया जा सकता है, साथ ही उन्होंने पहला एल्गोरिथम लिखा जो इस तरह की मशीन द्वारा कार्यान्वित किया जा सकता है।

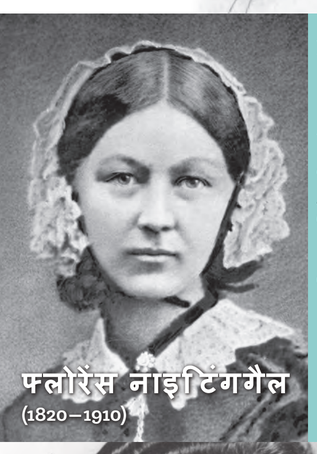

फ्लोरेंस नाइटिंगगैल
(1820–1910)

जाना गया: (आधुनिक नर्सिंग कि संस्थापक होने के अलावा) ध्रुवीय क्षेत्र (पोलर एरिया) ग्राफ के आविष्कार जैसे सांख्यिकी में उनके कार्य के लिए, जिसका इस्तेमाल उन्होंने जनता और राजनेताओं के लिए आंकड़ों का अनुवाद करने के लिए किया।

सोफ़्या वासिलीवना - कोवालेवस्काया
(1850–1891)

जाना गया: अर्नेलिप्सिस, पार्शल डिफरेंशल समीकरणों और यांत्रिकी (मकैनिक्स) में उनके कार्य के लिए। वह उत्तरीय यूरोप में पूर्ण प्राध्यापक बनने वाली पहली महिला थी, और साथ ही वह वैज्ञानिक पत्रिकाओं कि प्रथम महिला संपादकों में से एक थी।

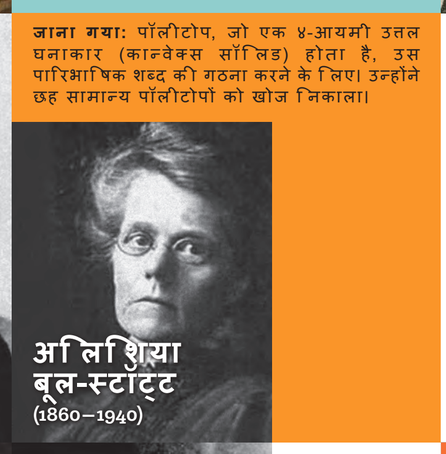

अलिशिया बूल-स्टार्ट
(1860–1940)

जाना गया: पॉलीटोप, जो एक ४-आयमी उत्तल घनाकार (कान्वेक्स सॉलिड) होता है, उस पारिभाषिक शब्द की गठना करने के लिए। उन्होंने छह सामान्य पॉलीटोपों को खोज निकाला।

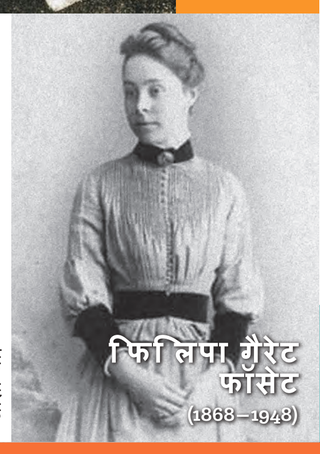

फिलिपा गैरेट फॉसेट
(1868–1948)

जाना गया: कैम्ब्रिज मैथमैटिकल ट्राइपॉस परीक्षाओं में शीर्ष अंक प्राप्त करने वाली पहली महिला होने के लिए। उन्हें वरिष्ठ रैंगलर का खिताब नहीं मिला, क्योंकि तब वह स्थान केवल पुरुषों को ही दिया जाता था।

एम्मी नोएदर
(1882–1935)

जाना गया: अमूर्त बीजगणित (ऐब्स्ट्रैक्ट ऐल्जेब्रा) और सैद्धांतिक भौतिकी (थीअरेटिकल फिज़िक्स) में उनके काम के लिए। प्राथमिक कण भौतिकी और सामान्य सापेक्षता (जेनरल रेलटिविटी) में उन्होंने सिद्ध किए हुए प्रमेयों को 'नोएदर के प्रमेयों' से जाना जाता है।

मैरी लुसी कार्टराइट
(1900–1998)

जाना गया: अध्यवस्था (केऑस) सिद्धांत के अग्रदूतों में से एक होने के लिए। कार्टराइट रॉयल सोसाइटी की फेलो बनने वाली ऐसी पहली महिला थी, जिन्होंने मैथमैटिकल एसोसिएशन और लंडन मैथमैटिकल सोसाइटी की अध्यक्ष होने के साथ सिरेवेस्टर मेडल प्राप्त किया।

गर्ट्रूड मेरी कॉक्स
(1900–1978)

जाना गया: सांख्यिकी में प्रयोगात्मक डिजाइन में उनके कार्य के लिए। कॉक्स अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान में चुनी गई पहली महिला थी।

मरी-लुइस डूबरे-जाकोटा
(1905–1972)

जाना गया: फ्रांस में सैद्धांतिक (प्युर) गणित में डाक्टरेट पाने वाली दूसरी और पूर्ण पप्राध्यापक बनने वाली पहली महिला होने के लिए। तरल यांत्रिकी (फ्लूइड मकैनिक्स) और अमूर्त बीजगणित में विशेषज्ञता के अलावा वह एक गणित के इतिहास पर एक पुस्तिका की लेखिका थी।

रूथ मौफैंग
(1905–1977)

जाना गया: नॉन-असोसिएटेड बीजगणितीय संरचनाओं पर उनके महत्वपूर्ण कार्य के लिए, जिसमे मौफैंग लूप और मौफैंग प्लेन नामक एक नई ज्यामिति शाखा का समावेश है।

डोरोथी वॉन
(1910–2008)

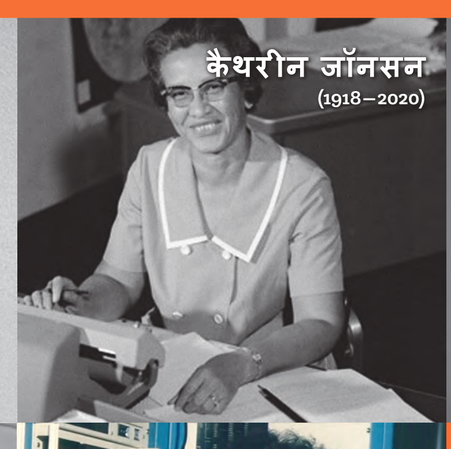

कैथरीन जॉनसन
(1918–2020)

मैरी जैक्सन
(1921–2005)

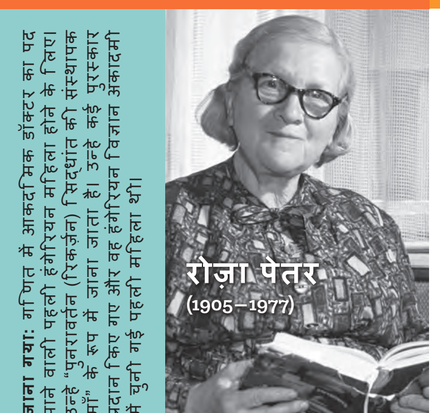

रोज़ा पेतर
(1905–1977)

जाना गया: गणित में आकर्षक डॉक्टरेट का पद पाने वाली पहली हंगेरियन महिला होने के लिए। उन्हें "पुनरावर्तन (रिकर्जन) सिद्धांत की संस्थापक मां" के रूप में जाना जाता है। उन्हे कई पुरस्कार प्रदान किए गए और वह हंगेरियन विज्ञान अकादमी में चुनी गई पहली महिला थी।

ग्रैस ब्रूस्टर मरे - हॉप (विवाहपूर्व - मरे)
(1906–1992)

जाना गया: गणित में पीएचडी पाकर कंप्यूटर वैज्ञानिक होने के लिए। उन्होंने पहले लिंकर्स (लिंक संपादकों) में से एक का आविष्कार किया और वह मशीन-स्वतंत्र प्रोग्रामिंग भाषाओं के सिद्धांत की प्रवर्तक थी।

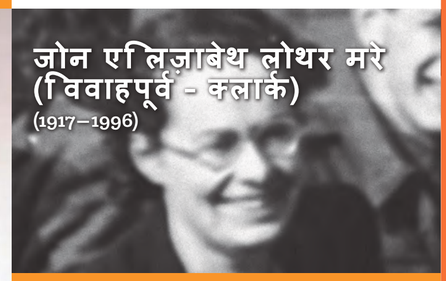

जोन एलिज़ाबेथ लोथर मरे (विवाहपूर्व - क्लार्क)
(1917–1996)

जाना गया: सरकारी कोड और साइफर शाला में उनकी भर्ती के दौरान बॅनबरीस्मस (यानी द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ॲलन ट्यूरिंग द्वारा विकसित क्रिप्टॲनालिटिक प्रक्रिया) की एकमात्र महिला उपयोगकर्ता होने के लिए। बादमें उनके खंड कि वह उपनेता बनी।

मेल्बा रॉय माउटन
(1929–1990)

क्रिस्टीन डार्डन
(ज। 1942)

नासा के महिला कंप्यूटर

एनएसीए, नासा और लैंगले रिसर्च सेंटर में महिला गणितज्ञों, मानव कंप्यूटरों और बाद में प्रोग्रामरों का एक समूह, जिन्होंने अमरिकी अंतरिक्ष दौड़ में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

1935 में 5 महिला गणितज्ञों कि शुरुआत से, 1946 में 400 महिलाएँ थीं।

उल्लेखनीय सदस्य हैं:
डोरोथी वॉन,
कैथरीन जॉनसन,
मैरी जैक्सन,
मेल्बा रॉय माउटन और
क्रिस्टीन डार्डन।

फीलिस निकोल्सन (विवाहपूर्व - लॉक्केट)
(1917–1968)

जाना गया: संख्यात्मक विश्लेषण में क्रैंक - निकोल्सन विधि पर जॉन क्रैंक के साथ उनके कार्य के लिए। मैंचेस्टर विश्वविद्यालय में उनके पीएचडी के अध्ययन के दौरान वह हार्ट्री के डिफरेन्शल ॲनलायज़र की कुशल प्रयोक्ता बन गई।

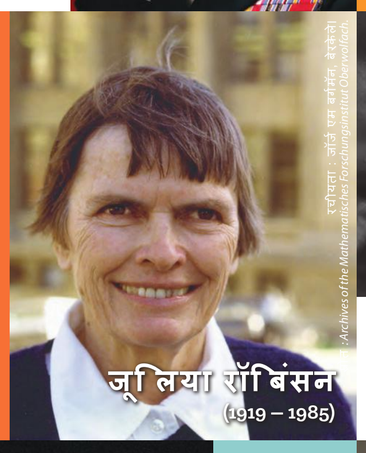

जूलिया रॉबिंसन
(1919 – 1985)

जाना गया: कॉमप्युटेबिलिटी सिद्धांत और कॉमप्युटेशनल कम्प्लेक्सिटी सिद्धांत में उनके योगदानों के लिए।

ओल्गा अलेक्सांद्रोवना लेडीझेंस्काया
(1922–2004)

जाना गया: पार्शल डिफरेन्शल समीकरणों, तरल यांत्रिकी (फ्लूइड मकैनिक्स) और नावीएर - स्टोक्स समीकरणों के लिए परिमितक अंतर विधि (फाइनाइट डिफरेंस मेथड) के अभिसरण (कन्वर्जन्स) पर उनके काम के लिए। वह १९५८ फील्ड्स मेडल के लिए शॉर्टलिस्ट कि गई थी।

एनेली लैक्स
(1922–1999)

जाना गया: गणितीय शिक्षा और गणितीय प्रकाशन में उनके योगदान के लिए। उन्होंने गणितीय शिक्षा में भाषा कौशल को शामिल करने की शुरुआत की।

युवॉन चोकेट-ब्रुहाट
(ज। 1923)

जाना गया: आइंस्टाइन के सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत के अध्ययन में उनके योगदान के लिए। वह फ्रेंच एकेडमी ऑफ साइंसेज की पूर्ण सदस्य के रूप में चुनी गई पहली महिला थीं और साथ ही लीजन डी'होनूर की ग्रैंड ऑफिसर भी है।

ओल्गा आर्सेनिवेना ओलेनिक

जाना गया: बीजगणितीय ज्यामिति, अंतिरिक विश्लेषण (पार्शल डिफरेंशल) समीकरणों, स्ट्रोंगली ह्योमोजेनियस इलाप्टिक मशीनरी का सिद्धांत, और सीमा परतों (बाउंड्री लेयर्स) के गणितीय सिद्धांत पर उनके अग्रणी कार्य के लिए।

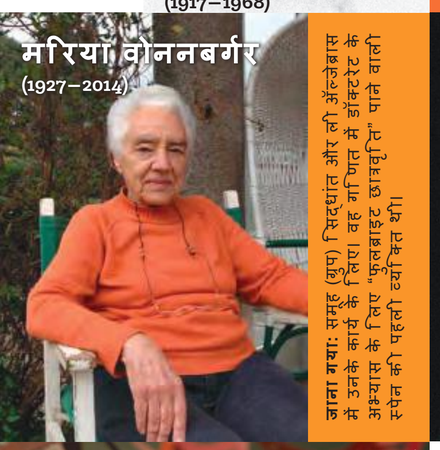

मरिया वोननबर्गर
(1927–2014)

जाना गया: समूह (ग्रुप) सिद्धांत और ली ॲल्जेब्रास में उनके कार्य के लिए। वह गणित में डॉक्टरेट के अभ्यास के लिए "फ्लैनाइट छात्रवृत्ति" पाने वाली स्पेन की पहली व्यक्ति थी।

शकुंतला देवी
(1929–2013)

श्रेय : देवंदी एस पटेल, विकिमीडिया कॉमन्स द्वारा

जाना गया: अपनी अंकगणित (अरिथमेटिक) की क्षमताओं के लिए गिनेस्स बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स के १९८२ संस्करण में एक स्थान अर्जित करने के लिए। वह "मानवी संगणक" के रूप में मानी जाती थी (उदाहरण के लिए: उन्होंने २ १३-अंकीय संख्याओं का गुणन २८-सेकंदों में किया)।

मरीना एवसेवना राटनर
(1938–2017)

जाना गया: एरगोडीक सिद्धांत में उनके कार्य के लिए। उन्होंने समरूप स्थलों (होमजीनीअस स्पेसेस) में यूनिपोटेंट प्रवाहों (फ़्लोज़) के बारे में प्रमेयों को साबित किया, जिनको अब राटनर के प्रमेयों से जाना जाता है, और उन्हे उनके कार्य के लिए कई पुरस्कार प्रदान किए गए।

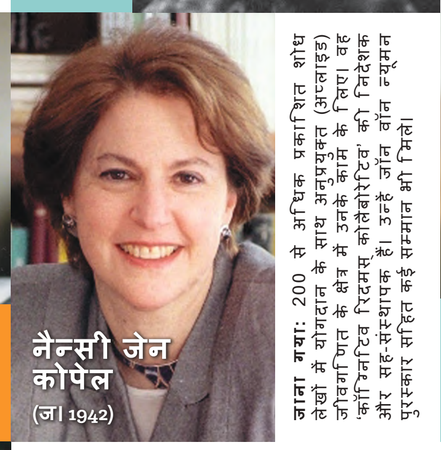

नैन्सी जेन कोपेल
(ज। 1942)

जाना गया: 200 से अधिक प्रकाशित शोध लेखों में योगदान के साथ अनुप्रयुक्त (अप्लाइड) जीवगणित के क्षेत्र में उनके काम के लिए। वह 'कॉग्निटिव रिदमस् कोलैबोरेटिव' की निदेशक और सह-संस्थापक हैं। उन्हें जॉन वॉन ब्यूमन पुरस्कार सहित कई सम्मान भी मिले।

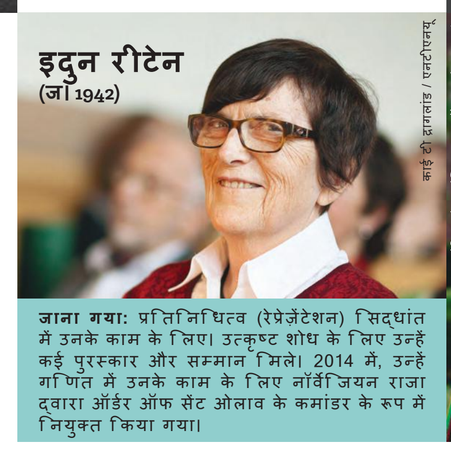

इदुन रीटेन
(ज। 1942)

फ़ोटो © हंगेरियन एकेडमी ऑफ साइंसेज / दानिएल पाटकाई

जाना गया: प्रतिनिधित्व (रेप्रेज़ेंटेशन) सिद्धांत में उनके काम के लिए। उत्कृष्ट शोध के लिए उन्हें कई पुरस्कार और सम्मान मिले। 2014 में, उन्हें गणित में उनके काम के लिए नॉर्वेजियन राजा द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट ओलाव के कमांडर के रूप में नियुक्त किया गया।

करेन उहलेनबेक
(ज। 1942)

एंड्रूयन केन, इंस्टिट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडी के सौजन्य से

जाना गया: आधुनिक ज्यामितीय विश्लेषण की संस्थापक, और अबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली महिला होने के लिए।

इंग्रिड डोबेशी
(ज। 1954)

सेस हॉर्न, ड्रूक फोटोग्राफी

जाना गया: छवि प्रसंस्करण (इमेज प्रोसेसिंग) तकनीकों को विकसित करने में गणित विधियों का उपयोग करने के उनके काम के लिए। उनका नाम वह वेवलेट्स से जुड़ा है जिनका उपयोग जेपीईजी 2000 के मानक में किया जाता है। उन्हें तकनीकी और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए कई सम्मान और पुरस्कार मिले, जैसे कि 2020 में प्रिंसेस ऑफ ऑस्टुरियस अवार्ड।

क्लेर वॉसिन
(ज। 1962)

क्लेर वॉसिन की दयालु अनुमति द्वारा

जाना गया: बीजगणितीय ज्यामिति में उनके कार्य, विशेषकर "हॉज सिद्धांत" और ठोस शास्त्रीय प्रश्नों में उसके आवेदन के लिए।

मरीयम मिरज़ाखानी
(1977–2017)

सौजन्य: नैशनल साइंस फाउंडेशन

जाना गया: "फील्ड्स मेडल" प्रदान कि गई पहली इरानी व्यक्ति और पहली महिला होने के लिए। उनके अनुसंधान में टेशम्यूलर सिद्धांत, हाइपर्बोलिक ज्यामिति, एरगोडीक सिद्धांत और सीमण्लेकटिक ज्यामिति जैसे विषयों का समावेश था।

मरियम मिरज़ाखानी
(1977–2017)

सौजन्य: नैशनल साइंस फाउंडेशन

जाना गया: "फील्ड्स मेडल" प्रदान कि गई पहली इरानी व्यक्ति और पहली महिला होने के लिए। उनके अनुसंधान में टेशम्यूलर सिद्धांत, हाइपर्बोलिक ज्यामिति, एरगोडीक सिद्धांत और सीमण्लेकटिक ज्यामिति जैसे विषयों का समावेश था।

The Netherlands

UNIVERSITY OF EXETER

परियोजना का विकास और समन्वय सुश्री सिल्वी हैंड्रिक्स, डॉ. होरी मेलकोनियन और प्रो. मारिया व्लासियो ने किया था। डॉ टॉम रिची और एक्सेटर विश्वविद्यालय के निम्नलिखित छात्रों द्वारा अतिरिक्त योगदान दिया गया: एम्बर एलिस, सोफिया जाफर, अनिला नवरत्नम और सोफी पील।

याना क्लाइनबर्ग के द्वारा रचना | *kleineberg.co.uk*